

09-II

भारत सरकार
राज्य सरकार

[illegible]

श्रीगुरुनानाभाषि कल्यायनमगगायाः इति सप्तम्यर्कवृद्धाय ॥ नमोऽस्तुते धर्मयुगलनय
 श्रीयनमगगायाः इति सप्तम्यर्कवृद्धाय ॥ नमोऽस्तुते धर्मयुगलनय
 गगायाः इति सप्तम्यर्कवृद्धाय ॥ नमोऽस्तुते धर्मयुगलनय
 नामगगायाः इति सप्तम्यर्कवृद्धाय ॥ नमोऽस्तुते धर्मयुगलनय
 शायायनमगगायाः इति सप्तम्यर्कवृद्धाय ॥ नमोऽस्तुते धर्मयुगलनय

निरासाय न था गगाया इह न सम्यक् वृद्धाय ॥ नमो रगवर्गेश्वर कनकगगन
नादयुद्धीगडा निरासाय न था गगाया इह न सम्यक् वृद्धाय ॥ नमो रगवर्गम
विधमिना विकृतिगडा ना जाय ॥ निरासाय न था गगाया इह न सम्यक् वृद्धाय ॥
ॐ नवीदवानां वृद्धानां रगवर्गमस्वर्गलानमो रगवर्गमायुक्तयन ॥ नमो वृद्धाय ॥ नमो
वर्माय ॥ नमो स्याय ॥ नमो ४ सकार्त्तसम्यक् वृद्धाकोटीनां ॥ नमो मेघयुक्त्वातीनां ॥

सत्त्वानीमदासत्त्वानी ॥ सयावकशायनी ॥ नमो वाक्पूरुषानी ॥ नमो ४ था गायत्रीनां ॥ नमो ४
सठ्ठदायामितीनां नमो लाकसम्यग्गगना ॥ नमो ४ सम्यक् नित्यनां ॥ नमो दयदयानी
साय ॥ गृहसमर्थना ॥ नमो सिद्धिविद्याधनानी ॥ नमो दयवुक्ताय ॥ नमो ॐ दाय ॥ नमो
रगवर्गवृद्धाय ॥ नमो उमाय निसिद्धिनाय ॥ नमो रगवर्गना वाय ॥ नमो ४ महावल
मृदाय नमस्कृताय ॥ नमो रगवर्गमहाकालाय ॥ गियन्नगत्र विद्याय न कलाय ॥ अथि

मृक्तिं भक्त्या नवा सिनियमा विगलनमस्तु गाय॥ नमो रगवनेन तथगत कूलस्य॥ नमो रगवनेन
न कूलस्य॥ नमो रगवनेन वज्रकूलस्य॥ नमो रगवनेन त्रिकूलस्य॥ नमो रगवनेन सप्तिकूलस्य
नमो रगवनेन जाडकूलस्य॥ नमो रगवनेन कुमार्कूलस्य॥ नमो रगवनेन दध्नुषकूलस्य॥ नमो रगवनेन
जायगं तथगताया इहं न संम्यक् वृद्धाय॥ नमो रगवनेन अमितालाय तथगताया इहं न संम्यक्
वृद्धाय॥ नमो रगवनेन अश्वत्थाय तथगताया इहं न संम्यक् वृद्धाय॥ नमो रगवनेन वैषय

युगं जायगं तथगताया इहं न संम्यक् वृद्धाय॥ नमो रगवनेन सुदक्षिणलोचनं वृद्धा जा
यगं तथगताया इहं न संम्यक् वृद्धाय॥ नमो रगवनेन ब्रह्मकणु जायगं तथगताया इ
हं न संम्यक् वृद्धाय॥ नमो रगवनेन वैष्णवाय तथगताया इहं न संम्यक् वृद्धाय॥
नमो रगवनेन विकसितनयनाय तथगताया इहं न संम्यक् वृद्धाय॥ नमो रगवनेन
जायगं तथगताया इहं न संम्यक् वृद्धाय॥ नमो रगवनेन भक्त्या नवा सिनियमा विगलनमस्तु गाय॥

ॐ यं रगवरुः गथागनाक्रीडसिगागयगनामायत्राडिगामहायुह्यं गिना सर्वकलि
कलरु विवादविगुरु निवात्रे लोयत्र विशाष्टदनी सर्वकात्रह्यं निवात्रनी सर्वधनमा
क्रुणीः सर्वदृष्टसखमित्रनीः सर्वनिगउरुं जनीः सर्वयक्राक्रसगहानी विधंसनकनी
वहुनाभी निनाग्रहाना विधंसनकलिः अष्टविधमिनक्रुणा नीयुभादनकलिः ॥ अष्टनामि
रागसुनां वीधंसनकनी ॥ सर्वभक्तमिवात्रनी ॥ द्यात्रदृष्ट ४ स्वपुत्रिकामहर्गजामहाशुभा

कालामलुसवाग्निनी ॥ अर्थगात्राष्टदृष्टयवड्यावडमाल निविगुणा ॥ यत्रकंवड
विक्तावमालीयेवयत्राडिगाः वडगुलीयेविमानाकी ॥ अष्टाष्टदृष्टयडिगा ४ सोमयत्रयामह
ल्लगाः महर्गजकालायेवयत्राडिगा ॥ वडगुलीयेववक्रकोनात्रीकलधनी ॥ वडदरु
चमहाविष्काकाकनमालिकाकूसक्रान्तयेववक्रावनकलाष्टीयविगुणा ॥ विडकवीना
कः वडकनकयरात्राचताः वडगुलीयेवगायकलात्रीगमोयराधोयूहलाचनावड

रिक्त रयाग ॥ असु निरयाग ॥ अका नम ह्य रयाग ॥ धन निरयाग ॥ आङ्ग दगु रयाग ॥ विर
रयाग ॥ सु रयाग ॥ सुन्दर गरयाग ॥ दवगु रयाग ॥ नागगु रयाग ॥ अरुद्रगु रयाग ॥ मयूगु रयाग
गन्तुगु रयाग ॥ मध्वगु रयाग ॥ किनमगु रयाग ॥ मश्वगु रयाग ॥ यरुगु रयाग ॥ मोरुगु रयाग ॥
गु रयाग ॥ पुनगु रयाग ॥ विभगु रयाग ॥ कृष्णगु रयाग ॥ यरुगु रयाग ॥ कटपेगु रयाग ॥ सुन्द
गु रयाग ॥ उं सादगु रयाग ॥ सुयागु रयाग ॥ अयसा नगु रयाग ॥ डालानेकगु रयाग ॥ अकिनीगु र

गु ॥ अवनीगु रयाग ॥ यामि किगु रयाग ॥ सकनीगु रयाग ॥ मारु मदीगु रयाग ॥ आलम्वनगु रयाग ॥ क
टवा निनीगु रयाग ॥ डाङ्गा रात्रिनीगो ॥ अविना रात्रिनीगो ॥ वसा रात्रिनीगो ॥ मासा रात्रिनी
गो ॥ मदा रात्रिनीगो ॥ मङ्गा रात्रिनीगो ॥ जग रात्रिनीगो ॥ डि विना रात्रिनीगो ॥ वला रात्रि
नीगो ॥ गध रात्रिनीगो ॥ यथा रात्रिनीगो ॥ यथा रात्रिनीगो ॥ रुला रात्रिनीगो ॥ रीत्या रा
त्रिनीगो ॥ अरु त्या रात्रिनीगो ॥ जग रात्रिनीगो ॥ यथा रात्रिनीगो ॥ यथा रात्रिनीगो ॥ मृगा रात्रिनीगो

श्वगादा त्रिन्ध्री ॥ क्षमादा त्रिन्ध्री ॥ सिंहा नकादा त्रिन्ध्री ॥ उच्छिष्टादा त्रिन्ध्री ॥ वागदा त्रिन्ध्री ॥
शुश्रादा त्रिन्ध्री ॥ ४४५ निकादा त्रिन्ध्री ॥ ॥ अगर्वा सर्वगुहना किन्दया मिदञ्जन ॥ यत्रिजात
रुगा विद्या किन्दया मिदञ्जन ॥ अकण किनीरुगा विद्या किन्दया मिदञ्जन ॥
उत्त ॥ विद्रुगा विद्या किन्दया मिदञ्जन ॥ नात्राय नरुगा विद्या किन्दया मिदञ्जन
या मिदञ्जन ॥ नराय नरुगा विद्या किन्दया मिदञ्जन ॥ मदा कालर्गडे

विद्या किन्दया मिदञ्जन ॥ ४४६ मात्ररुगा विद्या किन्दया मिदञ्जन ॥ ४४७ मा
गहे नरुगा विद्या किन्दया मिदञ्जन ॥ ४४८ काया यो लिङ्गा विद्या किन्दया मि
दञ्जन ॥ ४४९ गिनी किगा विद्या किन्दया मिदञ्जन ॥ ४५० गत्वगुदरुगा
विद्या किन्दया मिदञ्जन ॥ ४५१ कयक नमधूक नसन्धीथसा धनरुगा विद्या किन्दया मिदञ्जन
मिदञ्जन ॥ ४५२ गिनि गिनिदि कश्च नमधूक नसन्धीथसा धनरुगा विद्या किन्दया मिदञ्जन ॥

रुट् ॥ वज्रकरुट् ॥ वज्रदायरुट् ॥ अस्त्रविद्यायनकमायरुट् ॥ यजमन्त्रविद्यायनकमायरुट्
सर्वदेवलय ४ रुट् ॥ सर्वनागलय ४ रुट् ॥ सर्वयन्त्रलय ४ रुट् ॥ सर्वरत्नलय ४ रुट् ॥ सर्वयोगलय
४ रुट् ॥ सर्वविद्यालय ४ रुट् ॥ सर्वकलालय ४ रुट् ॥ सर्वयगनलय ४ रुट् ॥ सर्वकठयगनलय ४ रुट् ॥ सर्वस
धलय ४ रुट् ॥ सर्वनक्षत्रलय ४ रुट् ॥ सर्वशुभलय ४ रुट् ॥ सर्वशुभेसाधनलय ४ रुट् ॥ सर्वशुभेसाधन
लय ४ रुट् ॥ सर्वताकिनिलय ४ रुट् ॥ सर्वत्रयगिनिलय ४ रुट् ॥ सर्वयामिकलय ४ रुट् ॥ सर्वसंकनिलय ४

रुट् ॥ सर्वसाकिनिलय ४ रुट् ॥ सर्वत्रयकलय ४ रुट् ॥ सर्वकठवासिनिलय ४ रुट् ॥ सर्वगन्धर्वलय ४ रुट् ॥ स
र्वगन्धर्वलय ४ रुट् ॥ सर्वकिनिलय ४ रुट् ॥ सर्वमन्त्रलय ४ रुट् ॥ सर्वद्रविषिनिलय ४ रुट् ॥ सर्वद्रविषि
लय ४ रुट् ॥ सर्वसूत्रलय ४ रुट् ॥ सर्वदशरुद्रलय ४ रुट् ॥ सर्वकललय ४ रुट् ॥ सर्वरुद्रलय ४ रुट् ॥ सर्वयि
द्वयलय ४ रुट् ॥ सर्वशुभेसाधनलय ४ रुट् ॥ सर्वगीथिकलय ४ रुट् ॥ सर्वनानकलय ४ रुट् ॥ सर्वविद्यायनलय
४ रुट् ॥ जयकनमयकुनसर्वाधसाधकलय ४ रुट् ॥ सर्वविद्यायनलय ४ रुट् ॥ सर्वरुद्रगिनिलय ४ रुट्

वज्रकोमालि विद्याया लख ४८८ ॥ महायत्न गिलाख ४८८ ॥ वज्रकां कलायमस्यय गिलाः याजाय ४८८
 महाका नाय ४८८ ॥ महागमनमस्क नाय ४८८ ॥ वक्रायनीय ४८८ ॥ मारुध्य निय ४८८ ॥ कामालीय
 ४८८ ॥ विष्णु विग ४८८ ॥ वा नाहिय ४८८ ॥ ॐदायनीय ४८८ ॥ यामदाय ४८८ ॥ महाल क्रिय ४८८ ॥ वि
 धीय ४८८ ॥ महाका लिय ४८८ ॥ अल्य ४८८ ॥ यामय ४८८ ॥ नेमय ४८८ ॥ वा नुमिय ४८८ ॥ मा जिरी
 य ४८८ ॥ सोमय ४८८ ॥ ॐमानिय ४८८ ॥ काजदमिय ४८८ ॥ गोपीय ४८८ ॥ का नला गिय ४८८ ॥ कयालि

य ४८८ ॥ अविम किष्ममनवासिनीय ४८८ ॥ ॐ हं हं हं हं वध २ सर्वदृष्टानां निवात्रय विः नक्रम
 मसर्वसखानां के नक्र २ खाला ॥ ॥ यके विद्वत्सखा ४ सर्वसखानां पाय विला ४ दृष्ट विला ४
 नोद विला ४ नोदा नोद विला ४ कृ यिगा ४ कृ यिग विला ४ अ मिगा अ मिग विला ४ न सर्वसखाना
 के नक्र २ कवतु डि वतु वर्ष मनीय मंगुस नदा हांग ॥ यके विमय वक्र गुहाना ॥ डा जो हा ना ४ म
 हा हा ना ४ नू धिहा ना ४ वसाहा ना ४ मासाहा ना ४ मदाहा ना ४ मजाहा ला ४ डि विगाहा ला ४ व
 जागाहा ला

रिवागिका॥ अर्द्धवहदकं॥ अर्द्धादकं॥ अर्द्धिनागं॥ नासागं॥ नासागं॥ कश्चागं॥ गजग
ह॥ कर्कशुली॥ दन्तुहदयकुलाममहलीया॥ ह्वहली॥ उदन्तुहली॥ कटिहली॥ विष्टिहली॥ उद
हली॥ अन्ताहली॥ दन्तुहली॥ अर्द्धगयहली॥ सर्वहली॥ वायनयादि॥ रत्नयनयादि॥ किनी
ह॥ दन्तुहली॥ किटिहली॥ कर्कशुली॥ विगकलगायामावसंयाला॥ अन्ताहली॥ अन्ताहली॥ अन्ताहली॥
यागभूमिर्द्धकमात्रिर्वेनकाकात्राकात्रमहली॥ ह्वहली॥ अन्ताहली॥ अन्ताहली॥ अन्ताहली॥

यदुह॥ अर्द्धिनागं॥ किटिहली॥ अन्ताहली॥ अन्ताहली॥ अन्ताहली॥ अन्ताहली॥ अन्ताहली॥ अन्ताहली॥
मसर्वसत्वानां॥ अर्द्धिनागं॥ अर्द्धिनागं॥ अर्द्धिनागं॥ अर्द्धिनागं॥ अर्द्धिनागं॥ अर्द्धिनागं॥ अर्द्धिनागं॥
अर्द्धिनागं॥ अर्द्धिनागं॥ अर्द्धिनागं॥ अर्द्धिनागं॥ अर्द्धिनागं॥ अर्द्धिनागं॥ अर्द्धिनागं॥
अर्द्धिनागं॥ अर्द्धिनागं॥ अर्द्धिनागं॥ अर्द्धिनागं॥ अर्द्धिनागं॥ अर्द्धिनागं॥ अर्द्धिनागं॥
अर्द्धिनागं॥ अर्द्धिनागं॥ अर्द्धिनागं॥ अर्द्धिनागं॥ अर्द्धिनागं॥ अर्द्धिनागं॥ अर्द्धिनागं॥
अर्द्धिनागं॥ अर्द्धिनागं॥ अर्द्धिनागं॥ अर्द्धिनागं॥ अर्द्धिनागं॥ अर्द्धिनागं॥ अर्द्धिनागं॥

जनामायना। जिनामहायलंगिला विद्यानाली। लिखित्वा रुडयगुवावमुवायुड। सवाकायगगाः
 म्वाकशुगगावा कृत्वाः गुरुधात्रियिगि। वावयिगि। गस्यजाव। डिर्वनकुमायनि। ससुनक्रमिष्यः
 ति॥ अग्निनक्रमिष्यति। नादकनका लंक। लिष्यति॥ डात्रनक्रमिष्यति॥ यागलक्रमिष्यति॥ सर्वक
 ल्यकर्मनाक्रमिष्यति। नाकाग्रमल्लनाकाजक। त्रिष्यति। सर्वगदा नसर्वविद्यविनायकाना
 यः पियार विष्यति॥ अनायधुतु नागो निमहा कल्यसहजानि। जगिसल्लर विष्यति। यगुगाभी

१३

तिदङ्कलका गिनीयग भगसहस्रानि विद्याधवगागस्यसंगममसर्वसुखाना के नरा वजरा
 गुकिंक त्रिष्यति। यगुपष्टिवड्गि किंक त्रिगस्य नित्यं यागयिष्यति। नक विष्य कृत्वा नय
 गनल्यमकठयगनयुगलं नयिष्यत्वेनरुगलनमनूष्यदा त्रिदलं नयलंगवा सिरगवगाय
 नरुधनसमन्वागगा र विष्यति॥ सर्वचगवद्वा रगवगा मन्नाका नसयमे नराव ननगुकिंक
 त्रिष्यति। गेवांम विष्य पियार विष्यति॥ अनायधुय ४०० मां गथेगगा उ विषसिगा गयगनामागना

[illegible]

स्वायत्थालोककामुडययमगयः कश्चिलान्नसालिसुगमप्रमात्रमर्चंरूपयदवायसाग्रीया
यासायत्रयकागमाहावचगस्यरगवगः सथागनाउकीयसिगागयनानासायत्राजिगाः महाय
ह्योगिजाविद्यात्राहाधकागवत्राययित्वा ॥ महगासख्यात्रममहगीयकावृत्त्याः सर्वनगमहाल
ययवमयन ॥ ममभवानगलवाः जनयदवाविहात्रवाजुर्नन्यायननवाः लहयवसिगमायिरद
ममनिकेकत्रियगि ॥ सर्वंरूपयदवायसागमयायासाः यत्रयकात्रियपुसमयिष्यतिायसि

न विषयः ॐ यमथा गगन उक्तीष सिना गयणः नामापत्रा किना मदायुय गिनामदा विद्यात्रा ह्यिय
यत्र यिथानि ॥ अत्र यिथानि ॥ वाय यिथानि ॥ सहगो नवनसग सिन विषयन कालं दवाचर्यमय
नामो ह्कसायस्य के ॥ नद्यथा ॥ अनना नागना जा ॥ वाहु ॥ किना गजाजा ॥ गक्रका नागनाजा ॥ कक्रा
टक नागनाजा ॥ यथा ॥ गजाजा ॥ कलिकानागनाजा ॥ अन्यमसनागनाजा ॥ अत्रमनागना
जा ॥ गनका नववधनामो ह्कसायस्य के ॥ कालन कालं गक्र यिथानि वंशक कसक्र लिगुल्य

कृष्णकालाहला सिना गयण नडावडाः वृद्धया लनः कर्क कल्य ॥ नतात्रलपयाय ॥ गद्य
था ॥ उं नल १ नगयखादा ॥ अस्याथालि न्धी अयं मयवा न ४ न नूयना नवा लसा नवाः प
सा नवाचीनी कास रि विवि लोक ७ वध यिगया ७ वासव सिद्धि सर्वना गायुडवा ह्येव डय
नाम यिथानि ॥ उं ह्क ह्क वा समसर्व सत्याना के नक्रा क नखादा ॥ उं वडया निह्क रुड ॥ उं सव
नथा गगन उक्तीषः अत्रला किन मू धिन आना सि ॥ उं ह्क २ यकल २ धक २ दज २ विदल २

द्विदर। रिदरहं रुट्खाहा॥ उंसर्वगथागगउक्कीवसिगागयगुहं रुट्॥ खाहा॥ प्रक्रुस्मी
हचिसखानीकेहं रुट्॥ खाहा॥ गद्यथा॥ अकेलेरुपुचलेरुवसमा॥ विनेरुसोमरुसर्ववद
द्विदिनेरुसर्वगथागगउक्कीवसिगागययसिचिइस्मविनेहं रुट्खाहा॥ वदयाहानसर्वोद
वपुगीऊफोककया॥ ॥०२॥ सुमवीचनरुगवानागमनोसर्ववेदवी॥ धिसखायसदेवमानय
सुत्रलगनदकिभलमहालगःगईवलेलोकरुगेवभाहाविनसत्यननुनिहि॥

००॥ निआर्यसर्वगथागगउक्कीवसिगागयगानामयनाडिगाःतरावर्त्यहिलामहायत्रिस
माय॥ ॥०३॥ सु॥ (नमोःरुगवत्यआर्यमहयनिसत्राय॥ नर्वमयाधुगमयसिसमयंरुगवानम
रुवऊमनसिखनकटागनविकुजनिस्म॥ गदिदोनिपुवक्रामिःरुगसंध्यायनामम॥ नमाव
होय॥ नमावेमाय॥ नमासंध्याय॥ नमः॥ सर्वगथागगानीःनमानमसर्ववेदवाधिसखधर्मसंधय
गद्यथा॥ उंवियत्रगरेविमज्जयगरेगडेवियत्रविमलःविमलगरे॥ वऊकागारुःगमिगः

रुमः गमलविश्वधनिः सर्वपापविश्वधनिः ॥ उं गुह्यमिः गमलविश्वधनिः गीतः रगमः त्रि रगमः
 नमः श्री रगमः श्री रगमः श्री रगमः श्री रगमः श्री रगमः श्री रगमः श्री रगमः श्री रगमः श्री रगमः
 यत्र रगमः श्री रगमः श्री रगमः श्री रगमः श्री रगमः श्री रगमः श्री रगमः श्री रगमः श्री रगमः
 श्री रगमः श्री रगमः श्री रगमः श्री रगमः श्री रगमः श्री रगमः श्री रगमः श्री रगमः श्री रगमः
 यत्र रगमः श्री रगमः श्री रगमः श्री रगमः श्री रगमः श्री रगमः श्री रगमः श्री रगमः श्री रगमः

II-60 धर्मरत्न वज्रपापं सुरत श्री महाविहार